दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 03 नवम्बर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 36

महत्वपूर्ण एवं खास

बस परिवहन के क्षेत्र में सुधार पर खर्च करेंगे 200 मिलियन यूरोः एंजेला

नई दिल्ली (आरएनएस)। जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने शनिवार को दिल्ली में एक व्यापास बैठक को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने भारत में पर्यावरण अनुकूल शहरी गतिशीलता पर अगले पांच सालों में एक बिलियन यूरो का निवेश करने का वादा किया। मर्केल ऐसे समय पर भारत दौरे पर आई जब दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर बहुत खतरनाक है। उन्होंने डीजल से चलने वाले सार्वजनिक परिवहन को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। मर्केल ने कहा कि हम जलवायु संरक्षण और हरित शहरी गतिशीलता पर सहयोग करने पर सहमत हुए हैं और इस दिशा में एक बिलियन यूरो खर्च करेंगे। इसके अलावा जर्मनी तमिलनाडु के बस परिवहन क्षेत्र में सुधार के लिए 200 मिलियन यूरो का भी निवेश करेगा।

आतंकवाद के खिलाफ अन्तरराष्ट्रीय कानून मजबूत करना जरूरीः रक्षा मंत्री

नई दिल्ली(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आर्थिक सहयोग हमारे लोगों के भविष्य को मजबूत करने और उन्हें बेहतर जीवन सुनिश्चित करने की नींव है। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। यह बात रक्षा मंत्री ने आज उज्बेकिस्तान के ताशकंद में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक को संबोधित करते हुए कही। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि एकपक्षवाद और संरक्षणवाद ने किसी का भला नहीं किया है। इस संदर्भ में भारत अपने केंद्र में विश्व व्यापार संगठन के नियमों को रखते हुए एक पारदर्शी, नियम-आधारित, खुला, समावेशी और गैर-भेदभावपूर्ण बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध है।

हुड्डा विधायक दल के नेता नियुक्त, विधानसभा में होंगे नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हुड्डा को राज्य में पार्टी विधायक दल का नेता नियुक्त किया, जो हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी होंगे। कांग्रेस पार्टी महासचिव एवं हरियाणा प्रभारी गुलाम नबी आजाद ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे पहले शुक्रवार को चंडीगढ़ में विधायक दल की बैठक में नेता नियुक्त करने संबंधी निर्णय सोनिया गांधी पर छोड़ा गया था। पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने सोनिया को रिपोर्ट दी जिसके बाद उन्होंने हुड्डा को विधायक दल का नेता नियुक्त किया।इस तरह हुड्डा अब हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। हरियाणा विधानसभा के लिए निर्वाचित कांग्रेस विधायकों की चंडीगढ़ में शुक्रवार को बैठक हुई। इसके बाद कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नया नेता चुनने के लिए पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अधिकृत किया गया।

ईडी ने मनी लांड्रिंग मामले में रतुल पुरी के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी और अन्य के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत में पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया। उनके खिलाफ अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले के मनी लांड्रिंग मामले में यह आरोप-पत्र दायर किया गया है। अदालत ने ईडी के आरोप पत्र का संज्ञान लिया और रतुल पुरी को प्रोडक्शन वारंट जारी किया है। उनके अलावा अन्य आरोपी जसप्रीत आहूजा को समन जारी किया है। चार्जशीट को विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार के समक्ष दाखिल किया गया है। एजेंसी ने चार सितंबर को रतुल पुरी को गिरफ्तार कर लिया था और वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में हैं। मनी-लॉन्ड्रिंग का मामला इटली के फिनमैकेनिका की ब्रिटिश सहायक, अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलिकॉप्टर की खरीद में कथित अनियमितताओं के बाद दर्ज किया था। इससे पहले पुरी को कथित बैंक धोखाधड़ी धोखाधड़ी के लिए प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया था।

अगले दस दिन में चार बड़े फैसले सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय में चार नवंबर से 10 दिनों के अंदर मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के नेतृत्व वाली पीठ चार महत्वपूर्ण फैसले सुना सकती है। जिसमें अयोध्या जमीन विवाद शामिल है। जिनका देश के सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक क्षेत्र में बड़ा प्रभाव हो सकता है।

अयोध्या मामले पर नवंबर में फैसला आने की उम्मीद है। यह 1858 से देश के सामाजिक-धार्मिक मामलों का अहम बिंदु रहा और इसपर 1885 से मुकदमा चल रहा है। यह इस विवाद के लंबे इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज करेगा। अदालत के फैसला सुनाने से पहले इस तरह की अटकलें तेज हैं कि क्या पांच जजो वाली संवैधानिक पीठ सर्वसम्मत फैसला देगी? इस तरह के विवादित मुद्दे पर, जिसने हिंदुओं और मुस्लिमों को विभाजित किया है, क्या एकमत से फैसले को स्वीकार किया

जाएगा क्योंकि यह यह किसी भी तरह की अस्पष्टता को दूर करेगा जो 4-1 या 3-2 (5 जजों के बीच) के फैसले के कारण हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा मुख्य न्यायाधीश की पीठ अपने उस फैसले पर पुनर्विचार करके निर्णय देगी जिसमें हर उम्र की महिलाओं को सबरीमाला के अयप्पा मंदिर के अंदर जाने की इजाजत दी गई थी। तीसरा फैसला सरकार को राफेल पर क्लीन चिट देने पर आ सकता है। चैथा फैसला सीजेआई को आरटीआई के दायरे में लाने वाली याचिका पर आने का इंतजार है।

सबरीमाला पर आएगा फैसला

सीजेआई की पांच जजों की पीठ ने छह फरवरी को 65 याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिसमें 57 याचिकाएं अदालत को 28 सितंबर, 2018 के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए दाखिल की गई थीं और 28 याचिकाएं हर उम्र की महिलाओं को सबरीमाला के अंदर प्रवेश की अनुमति देने के खिलाफ दाखिल की गई थीं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी हैं इसलिए 10 से 50 साल के बीच की महिलाओं को प्रवेश की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

सीजेआई को आरटीआई के दायरे में लाना पर फैसला

सीजेआई के नेतृत्व वाली पांच जजों की पीठ ने चार अप्रैल को उस अपील पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था जिसमें सीजेआई ऑफिस को आरटीआई के तहत लाने की अनुमति देने के लिए याचिका दाखिल की गई थी। इस याचिका को आरटीआई कार्यकर्ता सुभाष चंद्र अग्रवाल ने दाखिल किया था।

राफेल पर फैसले का इंतजार

सीजेआई के नेतृत्व में तीन जजों की पीठ पिछले साल दिए अपने फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर निर्णय देगी। पिछले साल फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने में एनडीए सरकार द्वारा किए गए कथित भ्रष्टाचार और अनियमितता के खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी। जिसमें अदालत ने सरकार को क्लीनचिट दी थी। अदालत को अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए याचिका दाखिल की गई है। जिसपर फैसला आने का इंतजार है। सीजेआई की पीठ ने 10 मई को इसपर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

तीस हजारी कोर्ट में पुलिस और वकीलों के बीच झड़प

» हिंसा के दौरान फूंकी गईं पुलिस की गाड़ियां

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट परिसर में शनिवार को दिल्ली पुलिस और वकीलों के बीच झड़प हो गई। इस भड़की हिंसा के दौरान जहां फायरिंग हुई, वहीं आगजनी करके पुलिस की गाड़ियां भी फूंकी गई।

सूत्रों के अनुसार शनिवार को पार्किंग विवाद को लेकर यह हंगामा हुआ और बात इतनी बढ़ गई कि पुलिस की कुछ गाडियों को फूंक दिया गया। इस दौरान फायरिंग की भी खबरें सामने आ रही हैं। झड़प की चपेट में कवरेज के लिए पहुंचे कुछ पत्रकार भी आ गए। उनसे हाथापाई हुई और पीट दिया गया। झड़प में एक वकील घायल हुआ है, जिसे सेंट स्टीफन हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। झगड़े के बाद परिसर में तनाव फैल गया। कुछ पुलिस अधिकारियों पर भी हमला किया गया। बताया जा रहा है कि कैदियों की एक गाड़ी को भी आग की भेंट चढ़ा दिया गया। मौके पर फायरब्रिगेड की गाडियां पहुंच गई हैं। अतिरिक्त पुलिस बल ने व्यवस्थाएं संभाल रखी हैं। बताया जा रहा है कि ये विवाद पार्किंग को लेकर छिड़े विवाद को लेकर हुए इस हंगामे के बाद से परिसर में तनाव फैल गया है। वकीलों ने पुलिस द्वारा उन पर गोलीबारी करने का आरोप लगाया है, लेकिन पुलिस अभी तक आरोप का जवाब नहीं दे पाई है।

अयोध्या फैसले पर सख्त की जा रही सुरक्षा व्यवस्था

» बाहर से आ रही फोर्स

अयोध्या (आरएनएस)। अयोध्या मसले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तारीख करीब आते देख प्रशासन ने यहां सुरक्षा व्यवस्था सख्त बनाने की कवायद शुरू कर दी है। शुक्रवार को एडीजी (कानून-व्यवस्था) पीवी रामाशास्त्री ने अयोध्या और सीमा से जुड़े जिलों के पुलिस अधिकारियों व अयोध्या के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। पुलिस लाइंस सभागार में आयोजित बैठक में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर संभावित हालात पर काबू करने की रणनीति पर मंथन किया गया।इस अवसर पर पीवी रामाशास्त्री ने विवादित परिसर का निरीक्षण किया और हनुमानगढ़ी का दर्शन भी किया। सुरक्षा अत्याधुनिक करने के सवाल पर एडीजी रामाशास्त्री ने कहा कि कुछ महीनों से अयोध्या की सुरक्षा को सुदृढ़ करने, उपकरणों के आधुनिकीकरण और इन्हें खरीदने को लेकर चर्चा चल रही थी। अब इनका आधुनिकीकरण किया जा रहा है। एडीजी ने कहा कि फैसले को लेकर अयोध्या की सुरक्षा को लेकर कई प्रकार की तैयारियां चल रही है।

राष्ट्रपति-राज्यपाल के कार्यालय के दुरुपयोग का प्रयास देश के लिए खतरा : शिवसेना

मुंबई (आरएनएस)। शिवसेना ने शनिवार को आगाह करते हुए कहा कि राष्ट्रपति देश का संवैधानिक प्रमुख है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राष्ट्रपति या राज्यपाल के कार्यालय का दुरुपयोग करने का कोई भी प्रयास देश के लिए खतरा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार ने शुक्रवार को कहा था कि यदि महाराष्ट्र में 7 नवंबर तक सरकार नहीं बनती है, तो ऐसी स्थिति में राज्य में राष्ट्रपति शासन लग सकता है।

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद से निपटने हेतु शंघाई सहयोग संगठन का आह्वान किया

» सदस्य देशों को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आज शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों से दोहरे मानदण्डों को अपनाए बिना आंतकवाद से निपटने के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कानूनों और तंत्रों को मजबूत करने एवं उन्हें लागू करने का आह्वान किया है। रक्षामंत्री उज्बेकिस्तान के ताशकंद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के रूप में एससीओ के शासनाध्यक्षों (सीएचजी) की 18वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद निरंतर हमारे समाजों को बाधित करने के साथ-साथ हमारे विकास के प्रयासों को कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा कि एससीओ देशों के लिए इस खतरे से निपटने के लिए एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने ओरेनबर्ग में एससीओ के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सेंटर 2019' के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए रूस को बधाई दी, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भाग लेने वाली सेनाओं की सैन्य क्षमता को विकसित करना और मजबूत बनाना है।

रक्षामंत्री ने जोर देते हुए कहा कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने एससीओ सदस्य देशों के विकास के लिए अपार अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले बहुआयामी, जटिल और अंतर्राष्ट्रीय खतरों जैसी चुनौतियां भी पेश की हैं। उन्होंने एससीओ से विकास के साथ-साथ आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, असमानता और स्थानिक गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एक साथ कार्य करने का आग्रह किया।

चार आतंकियों को सजा-ए-मौत, एक को उम्र कैद

रामपुर (आरएनएस)। सीआरपीएफ कांड में अदालत ने चार आतंकियों को सजा-ए-मौत, एक आतंकी को उम्र कैद, एक अन्य को दस साल की सजा सुनाई है। रामपुर कोर्ट के एडीजे तृतीय संजय कुमार सिंह ने यह सजा सुनाई। सजा का ऐलान होते ही रामपुर कचहरी में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई। गौरतलब है कि इस मामले में शुक्रवार को आठ आरोपियों में से छह को कोर्ट ने दोषी करार दिया था। जबकि दो

आरोपियों पर आरोप साबित नहीं हो सके थे, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें मामले में बाइज्जत बरी कर दिया था। 31 दिसम्बर 2007 को सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले में 7 जवान शहीद हुए थे।गौरतलब है कि रामपुर सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले के 11 साल 10 माह चली लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद छह आरोपियों को शुक्रवार को दोषी करार दिया गया था। इस बीच वादी पक्ष की ओर से 38 गवाहों के बयान कोर्ट में दर्ज हुए। इनमें फोरेंसिक एक्सपर्ट से लेकर एटीएस, यूपी पुलिस और सीआरपीएफ के जवान शामिल हैं। रामपुर सी आर पी एफ ग्रुप सेंटर पर 31 दिसंबर 2007 की आधी रात में आतंकी हमला हुआ था। इस मामले की रिपोर्ट सिविल लाइंस कोतवाली के तत्कालीन दरोगा ओमप्रकाश शर्मा की ओर से दर्ज करायी गई थी। इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने करीब दो सौ गवाहों को दर्शाया था लेकिन, समय-समय पर हुई सुनवायी में कुल 55 गवाह पेश हुए। इनमें से 38 गवाहों की गवाही सिर्फ सीआरपीएफ कांड के संबंध में हुई जबकि 17 गवाहों की गवाही आरोपी फहीम अरशद पर दर्ज एक अन्य मामले में हुई।

धनशोधन मामले में मीसा भारती को सम्मन, पति भी है आरोपी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती के खिलाफ धनशोधन मामले में दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लिया। यह तीसरा पूरक आरोप-पत्र है। इसमें 35 नए आरोपी हैं, जिनमें से 20 कंपनियां हैं। मीसा भारती और उनके पति भी इसी मामले में आरोपी हैं।

ट्रेन में जले शवों की पहचान के लिए होगा डीएनए परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक ट्रेन में आग लगने से जलकर मरे अधिकांश लोगों के शवों की पहचान के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों ने डीएनए परीक्षण कराने की योजना बनाई है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। कराची से रावलपिंडी जा रहे एक यात्री ट्रेन में खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर में विस्फोट के चलते आग लग गई थी। परिजनों को दफनाने के लिए शव सौंपे जाने से पहले 52 जले शवों की पहचान करने के लिए डीएनए टेस्ट की आवश्यकता है। रावलपिंडी से चलने वाली तेजगाम एक्सप्रेस के तीन डिब्बे इस त्रासदी में पूरी तरह से नष्ट हो गए थे, जिसके चलते कम से कम 74 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकांश पीड़ित पाकिस्तान के सबसे बड़े धार्मिक समारोहों में से एक वार्षिक तब्लीगी इज्तिमा में भाग लेने के लिए यात्रा कर रहे थे।

शिखर सम्मेलन हमारी राजनयिक नीति के अभिन्न अंग : मोदी

» थाईलैंड की यात्रा से पहले प्रधानमंत्री का वक्तव्य

नई दिल्ली (आरएनएस)। थाईलैंड की यात्रा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य का मूल पाठ इस प्रकार से है।

मैं 3 नवंबर को 16वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 4 नवंबर को 14वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन एवं राष्ट्रों के बीच वार्तालाप हेतु तीसरे क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बैंकॉक की यात्रा करूंगा।

यात्रा के दौरान, मैं बैंकॉक में उपस्थित अन्य वैश्विक नेताओं के साथ संबंधित शिखर बैठकों के अलावा द्विपक्षीय वार्तालाप भी करूंगा।

आसियान से संबंधित शिखर सम्मेलन हमारी राजनयिक नीति के अभिन्न अंग हैं और हमारी एक्ट-ईस्ट पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण तत्व है।

आसियान के साथ हमारी साझेदारी संपर्क, क्षमता निर्माण, वाणिज्य और संस्कृति के प्रमुख स्तंभों के माध्यम से परिपुष्ट है। हमने जनवरी 2018 में नई दिल्ली में एक विशेष स्मारक शिखर सम्मेलन के दौरान आसियान के साथ अपनी वार्ता भागीदारी की 25वीं वर्षगांठ मनाई थी, इस दौरान हमारे गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी दस आसियान देशों के नेताओं को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया था।

मैं आसियान भागीदारों के साथ अपनी सहयोगी गतिविधियों के अलावा आसियान एवं आसियान के नेतृत्व वाले तंत्र को मजबूत करने (समुद्र, भूमि, वायु, डिजिटल और लोगों से लोगों) संपर्क बढ़ाने एवं आर्थिक भागीदारी को और मजबूत करने तथा समुद्री सहयोग का विस्तार करने से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा करूंगा।

आज पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) क्षेत्रीय सहयोग संरचना का एक प्रमुख घटक है। यह नेताओं के नेतृत्व वाले अग्रणी बुनियादी ढांचे के रूप में आसियान पर केंद्रित है और इसमें क्षेत्र के प्रमुख देशों के सदस्य अथवा इससे जुड़े महत्वपूर्ण हित शामिल हैं। हम ईएएस के एजेंडे में महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और अपने वर्तमान कार्यक्रम एवं परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करेंगे। मैं अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति पर भी ध्यान केंद्रित करूंगा इस विषय में ईएएस के दौरान आसियान भागीदारों और अन्य लोगों के साथ हमारी मजबूत समाभिरूपता को देखते हुए मुझे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

अभिनेता रजनीकांत होंगे विशेष आइकन पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार ने प्रथम बार भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की स्वर्ण जयंती के प्रतीक के रूप में एक विशेष पुरस्कार का गठन किया है, इस पुरस्कार को प्रख्यात फिल्म अभिनेता एस. रजनीकांत को प्रदान किया जाएगा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने आज नई दिल्ली में इसकी घोषणा की। जावड़ेकर ने कहा, पिछले कई दशकों के दौरान भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए मुझे यह घोषणा करने में अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2019 की स्वर्ण जयंती के आइकन का पुरस्कार फिल्म अभिनेता एस. रजनीकांत को प्रदान किया जा रहा है।

कारपेंटर से कुली और कुली से बस कंडक्टर तथा बस कंडक्टर से सुपरस्टार बने रजनीकांत की कहानी किसी फिल्म की पटकथा से कम नहीं है। उनका जन्म 12 दिसंबर 1950 को कर्नाटक के एक मराठी भाषी परिवार में हुआ था। उनका मूल नाम शिवाजी राव गायकवाड़ है। फिल्मों में शुरुआत करने से पूर्व उन्होंने जीवन-यापन के लिए अत्यंत संघर्ष किया। उन्होंने बैंगलोर में कर्नाटक राज्य परिवहन निगम के लिए एक बस कंडक्टर के रूप में कार्य किया। इस अवधि के दौरान, नाटकों में अभिनय के बाद एक्टिंग के प्रति उनका रुझान जगा। रजनीकांत नाम से लोकप्रिय अभिनेता को फिल्मों में पहला ब्रेक पुत्तन कन्नागल द्वारा निर्देशित कन्नड़ फिल्म कथा संगम में एक छोटी सी भूमिका निभाने के साथ मिला।